



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 31 जुलाई, 2026

जारी करने का समय: 1340 घंटे

विषय: (i) पश्चिम विदर्भ और उससे सटे दक्षिण मध्य प्रदेश पर अवदाब के प्रभाव के तहत, 31 जुलाई और 01 अगस्त को गुजरात राज्य में और 31 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। 31 जुलाई को गुजरात क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर असाधारण रूप से भारी वर्षा होने की भी संभावना है।

(ii) अगले 6-7 दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत में छिटपुट से लेकर काफी व्यापक वर्षा और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

आज, 31 जुलाई, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा में बहुत ज्यादा बारिश (≥ 21 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, असम, नागालैंड, तेलंगाना में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ उत्तराखंड, हरियाणा, पूर्वी राजस्थान, छत्तीसगढ़, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, ओडिशा, झारखंड, तमिलनाडु, केरल और माहे, तटीय कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून ट्रफ समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर है।
- ❖ कल का गहन अवदाब 30 तारीख को शाम 5:30 बजे (IST) पूर्वी विदर्भ के ऊपर कमजोर होकर अवदाब में बदल गया और आज, 31 जुलाई 2026 को सुबह 8:30 बजे (IST) यह पश्चिमी विदर्भ और उससे सटे दक्षिणी मध्य प्रदेश के ऊपर स्थित था। इसके अगले 24 घंटों के दौरान विदर्भ, दक्षिणी मध्य प्रदेश और उससे सटे मध्य महाराष्ट्र से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और कमजोर होकर सुस्पष्ट दबाव क्षेत्र में बदलने की बहुत संभावना है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडल (ट्रोपोस्फीयर) की पश्चिमी हवाओं में एक ट्रफ के रूप में एक नया 'वेस्टर्न डिस्टर्बेंस' (पश्चिमी विक्षोभ) मौजूद है, जिसकी धुरी लगभग 71°E देशांतर और 30°N अक्षांश के उत्तर में है।
- ❖ निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों में, लगभग 21°N अक्षांश के साथ एक पूर्व-पश्चिम 'शीयर जोन' (हवाओं के बहाव में अंतर वाला क्षेत्र) एक ट्रफ के रूप में उत्तर-पूर्वी अरब सागर से लेकर पश्चिमी विदर्भ और उससे सटे दक्षिणी मध्य प्रदेश के ऊपर बने डिप्रेषन से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण तक फैला हुआ है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तर में मध्य असम के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ समुद्र तल पर 'ऑफ-शोर ट्रफ' (तट से दूर बनी कम दबाव की रेखा) दक्षिणी गुजरात से उत्तरी केरल तक फैली हुई है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 31 जुलाई से 6 अगस्त के बीच हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और उत्तराखंड में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है, साथ ही आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की भी संभावना है।
- ❖ 31 जुलाई से 5 अगस्त के बीच हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 3 से 6 अगस्त के बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 2 से 6 अगस्त के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 2 अगस्त को पश्चिमी राजस्थान में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अगले 6-7 दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत में कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 31 जुलाई से 6 अगस्त के बीच हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में; 31 जुलाई से 5 अगस्त के बीच हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 3 से 5 अगस्त के बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 2 से 6 अगस्त के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 1 से 2 अगस्त के बीच पश्चिमी राजस्थान में; 31 जुलाई और 2 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 1 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 31 जुलाई से 1 अगस्त के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 31 जुलाई और 3 से 6 अगस्त के बीच छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में; 31 जुलाई से 1 अगस्त और 6 अगस्त को विदर्भ में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है, साथ ही आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की भी संभावना है।
- ❖ अगले 3-4 दिनों तक मध्य भारत में कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1 से 4 अगस्त के बीच विदर्भ में; 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ 31 जुलाई को विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; छत्तीसगढ़ में 3-6 अगस्त के दौरान।

पूर्वी भारत:

- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 31 जुलाई-6 अगस्त के दौरान; बिहार में 1-5 अगस्त के दौरान; ओडिशा में 2-5 अगस्त के दौरान काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है, साथ ही आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (रफ़्तार 30-40 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चल सकती हैं।
- ❖ अगले 3-4 दिनों तक पूर्वी भारत में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और बिहार में 1-6 अगस्त के दौरान; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 31 जुलाई-1 अगस्त और 6 अगस्त को; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 4-6 अगस्त के दौरान; ओडिशा में 2-6 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 2-5 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 31 जुलाई-2 अगस्त के दौरान; असम और मेघालय में 31 जुलाई-5 अगस्त के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 31 जुलाई-6 अगस्त के दौरान काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 3-6 अगस्त के दौरान; असम और मेघालय में 6 अगस्त को कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 31 जुलाई-1 अगस्त के दौरान; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 31 जुलाई-4 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 1-6 अगस्त के दौरान; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 31 जुलाई-6 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही अरुणाचल प्रदेश में 31 जुलाई को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ कोंकण और गोवा में 31 जुलाई से 6 अगस्त के बीच; मध्य महाराष्ट्र में 31 जुलाई से 1 अगस्त के बीच; मराठवाड़ा में 31 जुलाई को; गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र और कच्छ में 31 जुलाई से 2 अगस्त के बीच काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र में 2 से 6 अगस्त के बीच; मराठवाड़ा में 1 से 6 अगस्त के बीच; गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र और कच्छ में 3 से 6 अगस्त के बीच कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में 31 जुलाई को; गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र और कच्छ में 31 जुलाई से 2 अगस्त के बीच कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में 31 जुलाई और 2 से 3 अगस्त के बीच; मराठवाड़ा में 31 जुलाई को; गुजरात क्षेत्र में 31 जुलाई से 2 अगस्त के बीच; सौराष्ट्र और कच्छ में 31 जुलाई से 2 अगस्त के बीच कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 1 अगस्त को कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।
- ❖ 31 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र में और 31 जुलाई व 1 अगस्त को सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी और कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 जुलाई को गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश और 1 अगस्त को गुजरात क्षेत्र में कुछ जगहों पर बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 31 जुलाई से 6 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में; 5-6 अगस्त के दौरान लक्षद्वीप में; 1-6 अगस्त के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 जुलाई से 6 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक और केरल और माहे में; 31 जुलाई से 4 अगस्त के दौरान लक्षद्वीप में; 31 जुलाई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में काफी ज्यादा या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे, लक्षद्वीप, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 2-4 अगस्त के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 31 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाओं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है; साथ ही 2 अगस्त को केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 2-4 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 3-4 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में; 31 जुलाई से 4 अगस्त के दौरान तेलंगाना में तेज़ हवाओं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ 1 अगस्त को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 2 अगस्त को तटीय कर्नाटक, केरल और माहे और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। 31 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान लक्षद्वीप और उत्तरी अंदरूनी

कर्नाटक में; साथ ही 31 जुलाई को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; और 31 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे तथा दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 31 जुलाई से 1 अगस्त के दौरान उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ 31 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान केरल और माहे तथा लक्षद्वीप में; और 31 जुलाई से 4 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तटीय कर्नाटक, उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक और तेलंगाना में जोरदार सतही हवाएं चलने की संभावना है।

पश्चिम-मध्य विदर्भ और उससे लगा दक्षिण मध्य प्रदेश पर बने अवदाब के कारण मछुआरों और हवाओं के बारे में चेतावनी।

हवा को लेकर चेतावनी:

- ❖ अगले 24 घंटों के दौरान विदर्भ और दक्षिण मध्य प्रदेश में 40-50 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने और इनके झोंके 60 किमी/घंटा तक पहुँचने की बहुत संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: सोमालिया और ओमान के तटों के पास और उनसे दूर, पश्चिम-मध्य और उससे सटे पूर्व-मध्य अरब सागर के ज्यादातर हिस्सों में, और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में 5 अगस्त तक; पूर्व-मध्य अरब सागर के ज्यादातर हिस्सों और उससे सटे दक्षिण और उत्तर अरब सागर के कुछ हिस्सों में 31 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान; गुजरात के तटों के पास और उनसे दूर और उससे सटे समुद्री इलाके में 3 अगस्त तक; कोंकण और गोवा में 1 अगस्त तक; कर्नाटक, केरल के तटों और लक्षद्वीप इलाके में 2 अगस्त तक; उत्तर महाराष्ट्र के तटों पर 1 अगस्त तक; कोमोरिन इलाके में 5 अगस्त तक;
- ❖ बंगाल की खाड़ी: मन्नार की खाड़ी और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों (जो दक्षिण श्रीलंका के तटों से सटे हैं) में 5 अगस्त तक; अंडमान सागर में 4 अगस्त को; दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों (जो दक्षिण अंडमान सागर से सटे हैं) में 3 से 5 अगस्त के दौरान।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

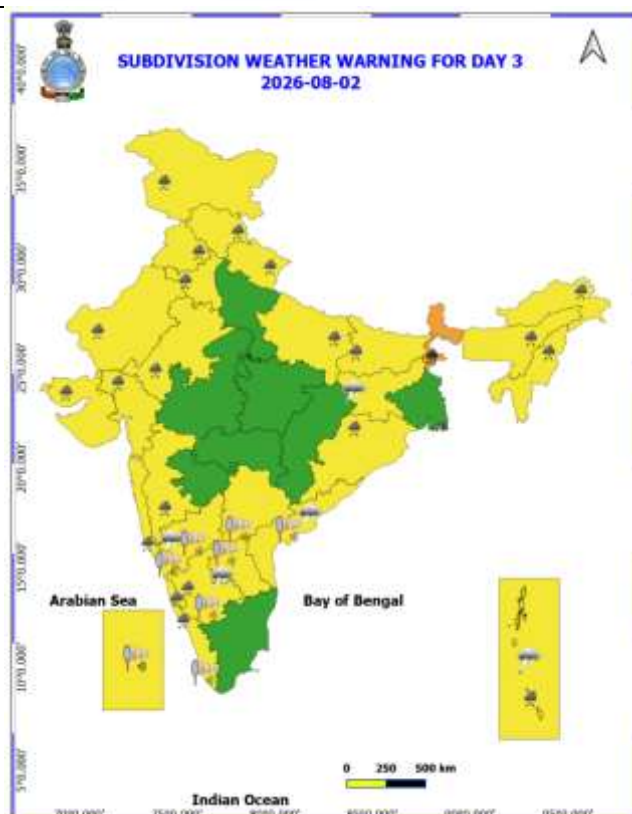
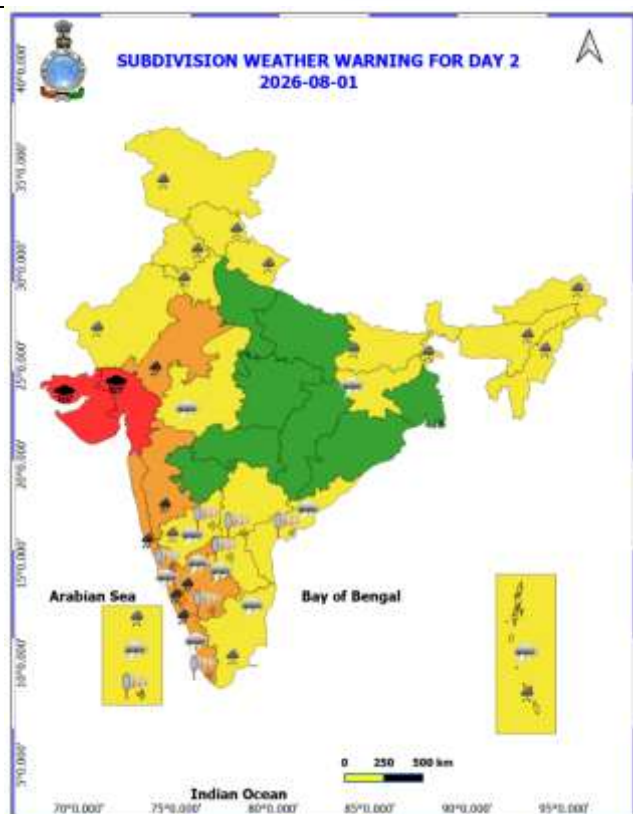
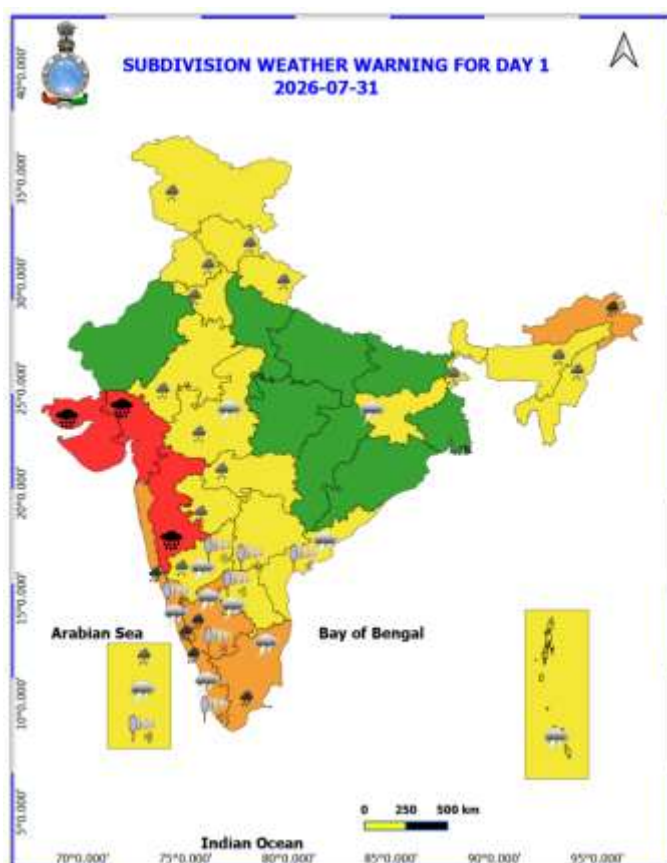
अवदाब से जुड़े राष्ट्रीय बुलेटिन के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/national_bulletin.php

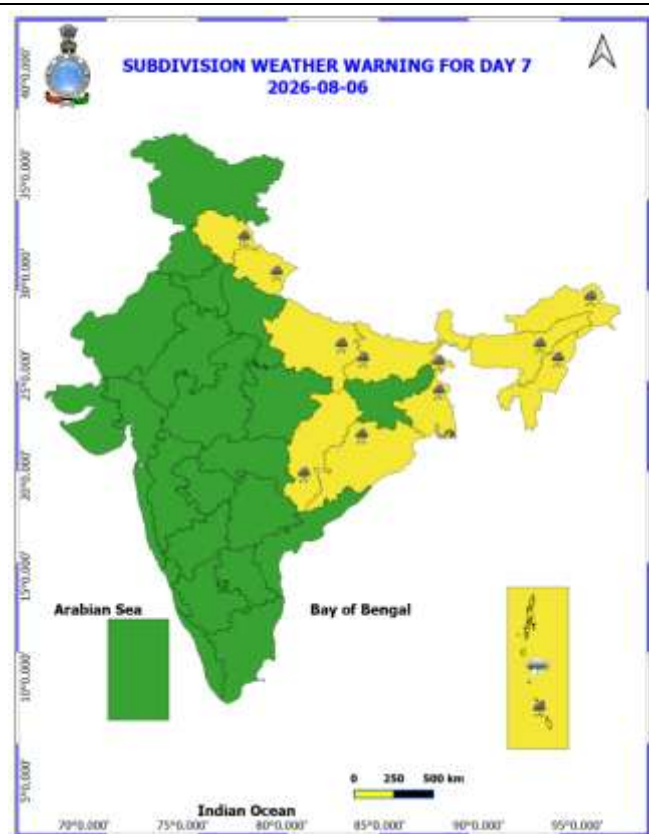
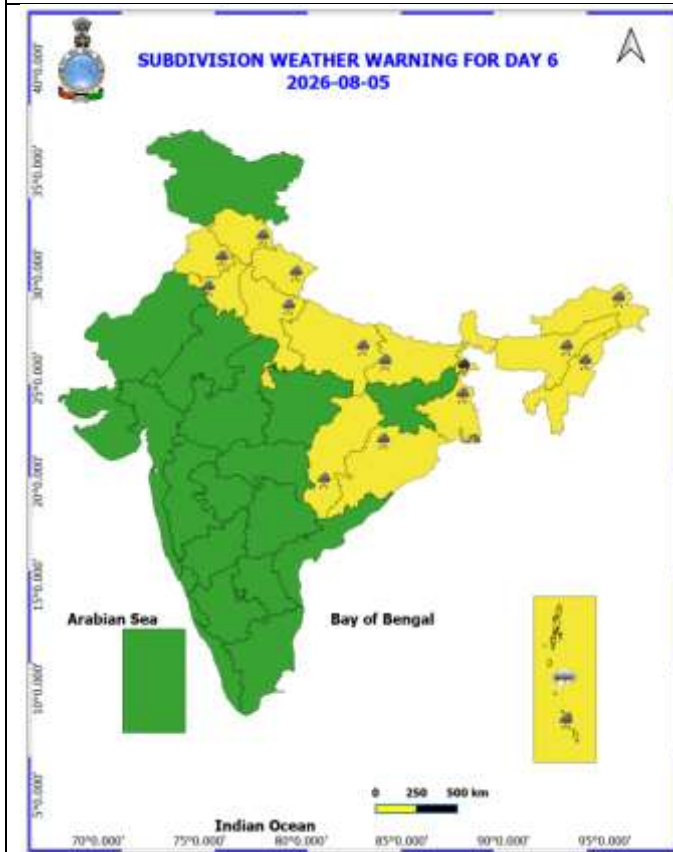
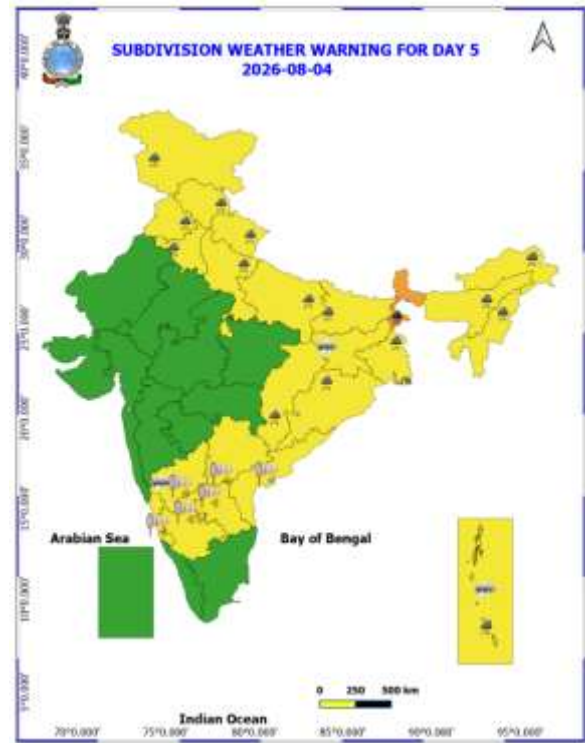
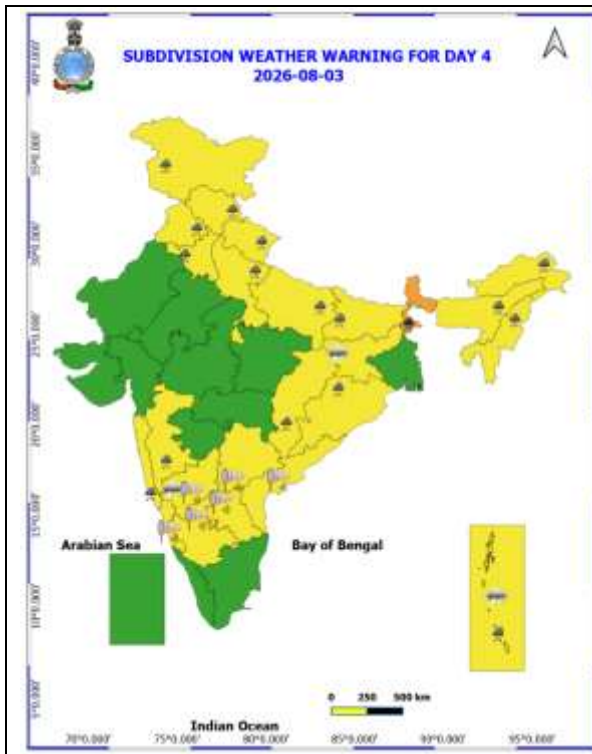
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ मध्य महाराष्ट्र: जामनेर (जलगांव) 22
- ❖ विदर्भ: यवतमाल: 22
- ❖ मराठावाड़ा: माहुर (नांदेड़) 21
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: खरगोन में गोगावां (वीएचआर) 19
- ❖ गुजरात क्षेत्र: गरुडेश्वर (जिला नर्मदा) 17
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बिजनौर (BIJNOR) 16
- ❖ हिमाचल प्रदेश: धर्मशाला-15
- ❖ तेलंगाना: वेलागतूर (जिला जगतिyाल) 15, तलमदुगु (जिला आदिलाबाद) 13,
- ❖ असम: हज़ुवा 13
- ❖ नागालैंड: फेक 12
- ❖ छत्तीसगढ़: बीजापुर 11
- ❖ केरल और माहे: पीरुमेदु (इडुक्की जिला) 11,
- ❖ तमिलनाडु: शोलायार (जिला कोयंबटूर) 10,
- ❖ हरियाणा: शाहबाद (जिला कुरुक्षेत्र) 9
- ❖ पूर्वी राजस्थान: नाहरसागर (भीलवाड़ा) 9
- ❖ तटीय कर्नाटक: कोल्लूर (जिला उडुपी) 9,
- ❖ उत्तराखंड: सोनप्रयाग 7
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: डायना 8
- ❖ ओडिशा: बारीपदा 8
- ❖ झारखंड: गुड़ाबंद 7
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: भागमंडला (जिला कोडागु) 7।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	31- Jul	1- Aug	2- Aug	3- Aug	4- Aug	5- Aug	6- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
8	JHARKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
14	PUNJAB	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

31 जुलाई से 03 अगस्त 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में $1-2^{\circ}\text{C}$ की बढ़ोतरी और न्यूनतम तापमान में 1°C की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान $35-36^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $23-27^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आमतौर पर बादल छाए रहे और पूर्वी दिशा से 35 किमी/घंटा की रफ्तार से ज़मीनी हवाएँ चलीं। आज सुबह के समय इस इलाके में पूर्वी दिशा से 25 किमी/घंटा तक की रफ्तार से ज़मीनी हवाओं के साथ आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

31.07.2026: आसमान आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान $33-35^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से 25 किमी/घंटा तक की रफ्तार से ज़मीनी हवाएँ चलने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की रफ्तार कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 22 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

01.08.2026: आसमान आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश के एक-दो दौर हो सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि कुछ जगहों पर यह सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) हो सकता है। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है और सुबह के समय हवा की गति 22 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 22 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

02.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। शाम/रात के समय भी बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक और दौर हो सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है और सुबह के समय हवा की गति 22 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 22 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

03.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह जल्दी से दोपहर के बीच कई जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान ज़्यादातर जगहों पर सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय ज़मीन के पास हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा तक रह जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति और कम होकर पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

बहुत ज़्यादा/अत्यधिक भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 31 जुलाई को गुजरात क्षेत्र में कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा बारिश होने और 1 अगस्त को गुजरात क्षेत्र में कुछ जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। 31 जुलाई को सौराष्ट्र और कच्छ तथा मध्य महाराष्ट्र में भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक (conductive) पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ❖ गुजरात में, धान, कपास, बाजरा, सोयाबीन, अरहर, मूंग, उड़द, मक्का, मूंगफली और सब्जियों के खेतों से ज़्यादा बारिश का पानी निकालने के लिए सही जल निकासी की व्यवस्था करें ताकि लंबे समय तक पानी जमा न रहे। लंबी फसलों (केला, पपीता, गन्ना) को मज़बूत बांस का सहारा दें।
- ❖ कोंकण में, हल्दी, मूंगफली, रोपाई वाले धान, रागी, कोदो-कुटकी, सब्जियों के खेतों और बागों में सही जल निकासी सुनिश्चित करें। निचले इलाकों से ज़्यादा बारिश का पानी निकाल दें ताकि लंबे समय तक पानी जमा न रहे।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र में, धान की नर्सरी और खरीफ फसलों जैसे मक्का, कपास, अरहर, मूंगफली, मूंग और उड़द से ज़्यादा पानी निकाल दें।
- ❖ मराठवाड़ा में, कपास, अरहर, मूंग, उड़द और मूंगफली जैसी खरीफ फसलों से ज़्यादा पानी निकाल दें। खेत की स्थिति बेहतर होने तक खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- ❖ विदर्भ में, मक्का, कपास, अरहर, सोयाबीन, बागों और सब्जियों की नर्सरी जैसी खरीफ फसलों से ज़्यादा पानी निकाल दें।
- ❖ तमिलनाडु में, खड़ी फसलों, सब्जियों के खेतों और बागों से ज़्यादा बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें। कटी हुई फसल को सुरक्षित जगह पर रखें।

- ❖ केरल में, पानी जमा होने से बचाने के लिए केला, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों के खेतों में सही जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ❖ कर्नाटक में, खेत की जल निकासी की नालियों को साफ रखें और धान के खेतों, बागों और सब्जियों के खेतों में सही जल निकासी सुनिश्चित करें ताकि लंबे समय तक पानी जमा न रहे।
- ❖ तेलंगाना में, पानी जमा होने से बचाने के लिए धान, मक्का, कपास, अरहर, सोयाबीन और सब्जियों के खेतों से ज्यादा बारिश का पानी निकाल दें।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए धान, जूट, अदरक और सब्जियों के खेतों में सही जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ❖ जम्मू और कश्मीर में, पानी जमा होने से बचाने के लिए मक्का, मूंग, उड़द और सब्जियों के खेतों में सही जल निकासी की व्यवस्था करें। रोपाई वाले धान में सिंचाई टाल दें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में, ज्यादा बारिश का पानी जल्दी निकालने के लिए धान, मक्का, रागी, टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, मिर्च और खीरे के खेतों और सेब व नाशपाती के बागों में सही जल निकासी की व्यवस्था करें। जहां खेत की स्थिति ठीक हो, वहां पके हुए फलों की तुड़ाई करें।
- ❖ उत्तराखंड में, लंबे समय तक पानी जमा रहने से बचाने के लिए धान, उड़द, झंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट), मंडुआ (फिंगर मिलेट), टमाटर और मिर्च के खेतों में पानी की निकासी का अच्छा इंतजाम रखें। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ तैयार टमाटर, फ्रेंच बीन और आलू की कटाई कर लें।
- ❖ पंजाब और हरियाणा में, पानी जमा होने से बचाने के लिए धान, मक्का, कपास, सोयाबीन, अरहर और मूंगफली के खेतों और फलों के बागों में पानी की निकासी का अच्छा इंतजाम रखें।
- ❖ पूर्वी राजस्थान में, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली, कपास और अरहर के निचले इलाकों वाले खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने के लिए पानी की निकासी का सही इंतजाम करें, ताकि लंबे समय तक पानी जमा न रहे।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान में, पहले से बोई गई बाजरा, मूंग, तिल, मोठ, ग्वार और अन्य खड़ी फसलों व सब्जियों के खेतों से पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतजाम करें।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, लंबे समय तक पानी जमा रहने से बचाने के लिए धान, मक्का, सोयाबीन और मंडुआ (फिंगर मिलेट) के खेतों, बागों और निचले इलाकों में पानी की निकासी का अच्छा इंतजाम रखें। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ तैयार फसलों की कटाई कर लें।
- ❖ असम में, खेतों में पानी की निकासी के रास्तों को साफ रखें और धान की नर्सरी, जूट, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, तिल और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम करें ताकि लंबे समय तक पानी जमा न रहे। तेज़ हवाओं से बचाने के लिए केले, सब्जियों और दूसरी कमज़ोर फसलों को सहारा दें।
- ❖ मेघालय में, धान की नर्सरी और मक्का, लोबिया, भिंडी व अदरक के खेतों से पानी की निकासी का सही इंतजाम करें ताकि लंबे समय तक पानी जमा न रहे। नर्सरी की मेड़ों को मज़बूत करें और पानी की निकासी के रास्तों में कोई रुकावट न आने दें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में, पानी जमा रहने से बचाने के लिए सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों से पानी की निकासी का सही इंतजाम करें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए एगोमेट सलाह

- ❖ कटी हुई फसल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएँ या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से फसल के उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसल को मज़बूती से बाँधें और ढककर रखें।
- ❖ तेज़ हवाओं के कारण फसल के गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्जियों व छोटे या फल देने वाले पौधों को स्टैकिंग (डंडे का सहारा) या अन्य सहारा दें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ❖ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- ❖ चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- ❖ उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

- ❖ तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

आकस्मिक बाढ़ की चेतावनी

01-08-2026 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का आउटलुक:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

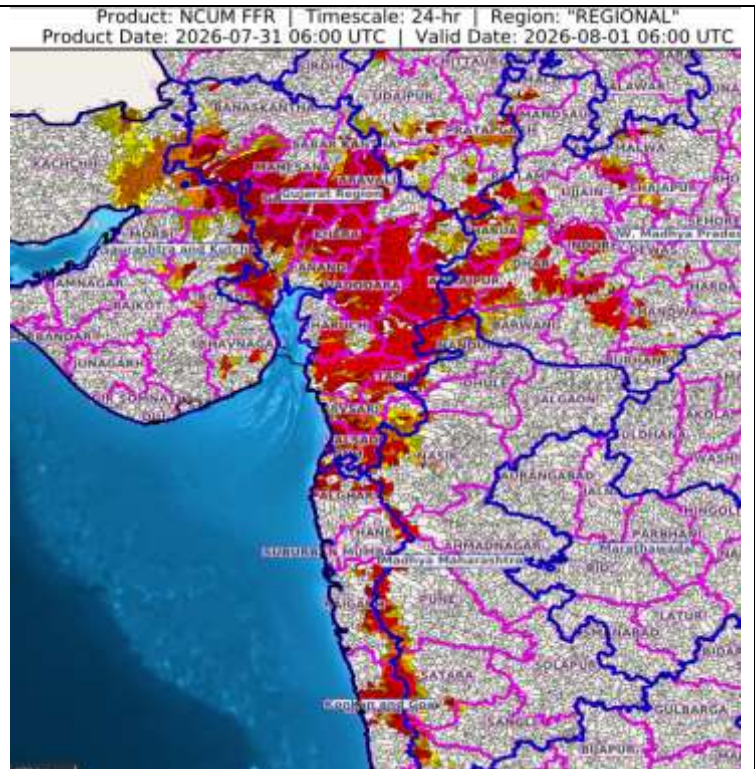
पश्चिमी मध्य प्रदेश - आगर-मालवा, अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, देवास, धार, इंदौर, झाबुआ, खंडवा, खरगोन, मंदसौर, नीमच, रतलाम और शाजापुर जिले।

गुजरात क्षेत्र - दादर और नगर हवेली, दमन, अहमदाबाद, आनंद, अरावली, बनासकांठा, भरुच, छोटा उदेपुर, दाहोद, डांग, गांधीनगर, खेड़ा, महेसाणा, महिसागर, नर्मदा, नवसारी, पंचमहल, पाटन, साबर कांथा, सूरत, तापी, वडोदरा और वलसाड जिले।

कोंकण और गोवा - पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और ठाणे जिले।

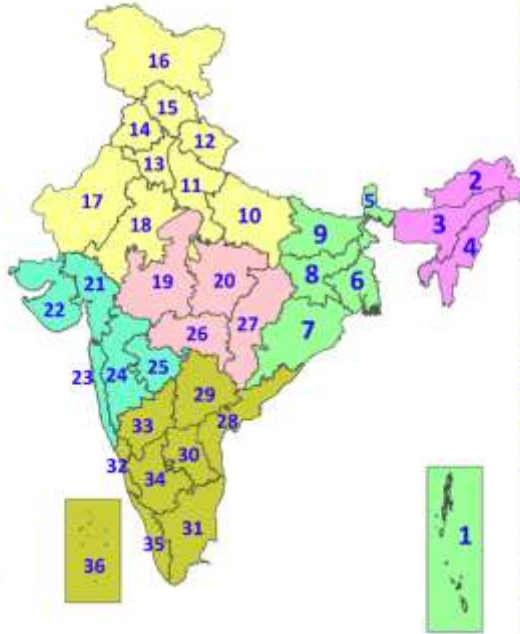
मध्य महाराष्ट्र - नंदुरबार, नासिक, पुणे और सतारा जिले।
सौराष्ट्र और कच्छ - भावनगर, राजकोट, सुरेंद्रनगर, मोरबी और कच्छ जिले।

जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।



LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm * Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm * Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions (a) Based on Departure from normal Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C. Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$ (b). Based on Actual maximum temperature Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$. Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$ (c). Criteria for heat wave for coastal stations When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$
Warm Night	When maximum temperature remains 40°C Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C. Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.
Cold Wave	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions. (a). Based on departure Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C. Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$ (b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only) Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$ Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$ (c) For Coastal Stations When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$
Cold Day	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions Based on departure Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C. Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
Fog	Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$ Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)
Dust/Sand Storm	An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.
Frost	Ice deposits on ground Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)
Squall	A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute. Moderate: Wind speed 52-61 kmph Severe: Wind speed 62-87 kmph Very Severe: Wind speed > 87 kmph
Sea State	Effect of various waves in the sea over specific area Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre
Cyclone	Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)